यूपी बन रहा एक्सप्रेसवे प्रदेश

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे के जरिए बहुमुखी तरक्की की लंबी उड़ान भरने जा रहा है। यूपी के हर कोने में तरक्की का राजपथ बन रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की सौगात मिलने में देर नहीं है। इसके जरिए अब दिल्ली से लेकर पूर्वांचल के आखिरी कोने तक सफर आसान होने जा रहा है। आगरा इटावा से बुंदेलखंड तक पहुंचने के लिए यूपी में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे तेजी से बन रहा है.....और तो और सबसे लंबा एक्सप्रेसवे जिसे गंगा एक्सप्रेसवे नाम दिया गया है, उसका निर्माण भी मेरठ से प्रयागराज तक होना है। इसके निर्माण शुरू करने की सारी तैयारियां पूरी होने को हैं।

'उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन है। राज्य में इसकी नींव तैयार हो चुकी है। जिससे न्यू उत्तर प्रदेश का विकास होगा। यूपी में ऐसा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो रहा है, जो राज्य को 21वीं सदी में नई बुलंदियों तक ले जाएगा।
-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सर्वांगीण विकास की जो धारा बहाई है उसी का परिणाम सामने है कि हम पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर खड़े हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के बन जाने के बाद गाजीपुर के लोग तीन घंटे में लखनऊ और 10 घंटे में दिल्ली पहुंच सकेंगे।
-योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

तरक्की के राजपथ से विकास की उड़ान

यूपी के माथे पर समृद्धिशीलता का टीका

अयोध्या।

अ योध्या से यह ऐलान, लखनऊ और दिल्ली से सभी बहुत उत्तर प्रदेश है। विकास के इंजनों को यहां एकसाथ में तब्दील होते दिख रहे हैं। यह दीपों आदित्यनाथ के नेतृत्व में नई पहचान के साथ अपनी जड़ छोड़ने वाला राज्य है। दीप जब सबसे बड़ा करने वाले दीपोत्सव के मंच साथ हर होने में प्रति करके आए हैं। योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमन्त्रित्व में इसने विकास की नई इबारत लिखी है। अगस्त में बीते 54 माह में राज्य के माथे से बीमारू राज्य का धब्बा हट गया और समृद्धिशीलता का टीका लग गया है। बदलने वक्त के साथ यूपी ने तरक्की के जिन रास्तों को चुना है, वह रोशनी का होना में डालने वाले हैं। कोई ब्योरा भी नहीं मालूम के कि सड़कें जहां खत्म थे यूपी विकास की राह में इतनी अच्छी पुनरुत्थान। अगस्त में किसी भी राज्य की तरक्की उसके इंफ्रास्ट्रक्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर से होती है। जिस राज्य में इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी की सुविधा बेहतर होती, वहां उतने ही बड़े पैमाने पर निवेश आता है और बड़े जिन्हें पर रोजगार के मकान उपलब्ध होते हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे : 16 को जनता के लिए खुल जाएगा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे

बात चले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की। वह दौर्रे नजाता की ऊपर वह एसी लोहरा है जिसके जरिए उद्योग, मिशन, सामोहन, रोजगार, शिक्षा आदि पूर्वांचल की पूरी तस्वीर बदलने जा रही है। यही कारण है कि इस एक्सप्रेसवे देश की 100 इंटिग्रेटेड उद्योग की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभा सकता है। तीसरीमें उद्घाटनकर्ता 16 नवंबर को सुलतानपुर से करीब और रोज इस एक्सप्रेस 341 किमी लंबे एक्सप्रेसवे पर फर्राटा भर सकेंगे।22 हजार 497 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ पूर्वांचल एक्सप्रेस है योगी सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है।

प्रधानमंत्री ने किया था शिलान्यास

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास जुलाई 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। इस एक्सप्रेस-वे को पूर्वी यूपी के लिए लाइफ लाइन कहा जा रहा है। लखनऊ से आजमगढ़ और गाजीपुर तक 341.324 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे पर वाहनों के फर्राटा भरने से जहां समय के निवेदन से पूर्वी और पश्चिमी यूपी के बीच की दूरी कम हो जाएगी, वहीं व्यापार को पंख लगेंगे। गाजीपुर से लखनऊ पहुंचने में पहले 6 घंटे लगते थे अब वहां तीन से चार घंटे में लखनऊ पहुंच जा सकता है।

अभी देशभर के एक्सप्रेसवेज में यूपी का 18% हिस्सा है पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के साथ यह बढ़कर 28% हो जाएगा। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे और गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर यूपी का हिस्सा और बढ़ जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे
अगले महीने शुरू होगा निर्माण कार्य

594

किमी लंबा होगा एक्सप्रेसवे। मेरठ से शुरू होकर यह प्रयागराज पर खत्म होगा।

खास बातें

- मेरठ से प्रयागराज होकर जाएगा एक्सप्रेसवे का निर्माण प्रस्तावित है।

36230 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत संभावित की गई है।

12 जिलों से हो कर गुजरेगी एक्सप्रेसवे परियोजना

- मेरठ से शुरू होकर हापुड़, बुलन्दशहर, अलीगढ़, कासगंज, कन्नौज, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ से गुजरते हुए प्रयागराज पर खत्म होगा। यह देश का पहला गंगा एक्सप्रेसवे होगा। इस एक्सप्रेसवे पर सरसावा हवाई अड्डा बनाया जाएगा।

देश का पहला गंगा एक्सप्रेसवे गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण जल्द अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शिलान्यास के बाद ही शुरू हो जाएगा। अगले महीने दिसम्बर में प्रधानमंत्री द्वारा एक्सप्रेसवे के निर्माण का शिलान्यास किया जाएगा। इसके बाद ही इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। अगले महीने दिसम्बर में प्रधानमंत्री द्वारा एक्सप्रेसवे के निर्माण का शिलान्यास किया जाएगा। इसके बाद ही इसका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

खरगन : मेरठ-बुलन्दशहर मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-334) पर एक्सप्रेस वे के किलोमीटर शून्य के संगीत से

529 हेक्टेयर जमीनों की जरूरत

समबन्ध बिन्दु : प्रयागराज बाइपास (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19) पर एक्सप्रेस प्रयागराज के जुगापुर गांव शून्य के संगीत से

7800 हेक्टेयर जमीनका आवश्यक भूमि

मोदी और योगी के प्रयासों से पूर्वांचल में सड़कों का जाल

1 बिजली देश के विकास में सड़ा के परिवहन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पूर्वी भारत का नेतृत्व करने वाले यादवराजी को अब सड़क परिवहन की ऐसी सौगात मिल गई है जिसके बाई पूर्वांचल और बिहार तक के व्यापार को उद्योगिकी विकासीय पैदाम मोदी ने हाल में पहलगढ़ी में दिन मोद और यादवराजी के गोरखपुर राजमार्ग एलाइन-29 समेत कई गोकलमार्गों की सौगात दी थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि कानों का विकास पर दिल लगे उद्योगों और विकास देने वाला है। जिस क्षेत्र से रोजगार के अवसर मिलेंगे, शहर से लोग वहीं पूरी उम्र होगी, वहीं शहर खाली को जाता व प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी।

2 बलरामपी सांद में उच्च लेवल और प्रदूषण की जो दोड़ी हो गई है। प्रधानमंत्री के विकास की सम्बाद करते हुए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निरन्तरी और लेनदार में बनी तिन सेट फेज 2 और बलरामपी से गोरखपुर राजमार्ग 29 का संदान (डिवाईडर) से जिलों (गाजीपुर) फेज लेन मार्ग के शुरू होने से यादगारी पहले जिलों से जुड़ गया है। तिन सेट वाद सेवकन्ना तहरी और तीन रास्तों को आसान में जोड़ गया है। लखनऊ, औरंगपुर, भदोही, सिद्धौर, आजमगढ़, गोरखपुर, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और केरल तक अब-जाने वाले वाहन बिना शहर में प्रवेश किए सीधे आगे गंतव्य को चले जाएंगे। पहले ये वाहन भी एंट्री खुलने के इंतजार में घंटों फंसे रहते थे। जिससे समय बचत बढ़ोत होने का इन बात था। यही शहर में प्रवेश करने पर जाम और प्रदूषण से कर्मचारियों परेशान रहते थे। शहर की सड़कों इसमेल बाराम होंगे भी।

3 बलरामपी में बिहर से लाखों के जाल से उत्तीन माली को सस्ता मिलेगी,पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए देवरहा बाबा पतिधाम, सुलितार बाराबंकी, खलना और बुंडेल की बात, देवगराज के नए आसन मिलेंगे। शहर व गांव की दूरी कम होगी। हुँचल की बचत होगी जिससे फ्रीजिंग एलाउंस की भी बचत होगी।

4 शहर में आने वाले भारी वाहनों को दिल्ली के आगर पर रोक दी खुलने के बाद आवागमन सरल लहरदार। इससे आवास जाम भारी वाहनों का बाहर बीच में अवा पुलिसम इंटिमेशन कर देता है। जानेमें बाराम कि जलाद व उत्पादन इलाके के भारी वाहनों के लिए भी दूरी जुड़ा लिंग बेस जुड़ा हो सुलभ है।

1500

करोड़ रुपये की लागत बलिया लिंक एक्सप्रेस वे पर

बलिया लिंक एक्सप्रेसवे

यह लेन वाले पलिया लिंक एक्सप्रेस वे के निर्माण में करीब 1500 करोड़ रुपये की लागत आएगी। एलाइनमेंट का काम पूरा हो चुका है। यह लहर गाजीपुर के जमनियाबाद तिवारी पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से शुरू होकर बलिया तक जाएगी। इसके बन जाने से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के जरिए दिल्ली के लोगों के लिए देव की राजधानी दिल्ली और प्रदेश की राजधानी लखनऊ जाने का समय आधा हो जाएगा। शहर के साथ आवागमन भी भरोसा। पूर्वी जिला वासी और अन्य प्रमुख शहरों की जाने में भी समय और लोगबाग बचेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं कि उनसे एक्सप्रेसवे के किनारे लखनऊ के अनुसार औद्योगिक गतिविधि और उपयोग के अनुसार नई टाउनशिप बसाई जाएगी।

गंगा एक्सप्रेसवे

2024
तक गंगा एक्सप्रेसवे को पूरा करने की तैयारी है।

6000
हेक्टेयर से अधिक (92 फीसद) भूमि खरीद ली गई है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे

खास बातें

प्रारंभ : (लखनऊ-सुल्तानपुर रोड) एन.एच-731 पर सिंहत ग्राम-सरदलपुर, लखनऊ

समाप्त : यूपी-बिहार सीमा से 18 किमी पूर्व एन.एच 19 ग्राम-हैदरिया, गाजीपुर

341 किमी एक्सप्रेसवे की कुल लम्बाई प्रवेश नियंत्रित 06 लेन

22,497 करोड़ रुपये परियोजना लागत (भूमि लागत सहित)

विशेषताएं

- एक्सप्रेसवे पर वाहन अधिकतम 120 किमी की गति से दौड़ सकते हैं। लेकिन इस पर 100 की स्पीड से वाहनों को अनुमति होगी।
- एक्सप्रेसवे पर सुलतानपुर में 3.20 किमी लंबी व 34 मीटर चौड़ी सीमेंट कंक्रीट की एयरस्ट्रिप बनाई गई है। इस पर भविष्य में लड़ाकू विमान के लड़ाकू विमान उतर सकते हैं।
- एक्सप्रेसवे पर हर 40 से 50 किमी पर एक सर्विस एरिया है। जिसमें 4.50 लाख वर्ग मीटर क्षेत्रफल में होटल, रेस्टोरेंट, पेट्रोल पंप व मेडिकल सेवा जैसी सुविधाएं होंगी। एक में सर्विस एरिया का मेडिकल सेवा जैसी सुविधाएं होंगी। एक में सर्विस एरिया का मेडिकल सेवा जैसी सुविधाएं होंगी।
- एक्सप्रेस वे के निर्माण में 60,00,000 लाख क्यूबिक मीटर मिट्टी का इस्तेमाल किया गया है।
- 9 लाख 30 हजार मानक टन सड़क बनाने में लगा है।
- 4 टोलप्लाजा बनाए गए हैं। इसमें पेट्रोल पम्प भी बनाए गए हैं।
- 4 ओवरब्रिज बनाए गए हैं।
- 4 रोड ओवर पास बनाए गए हैं।
- दो टोल प्लाजा का काम तेजी से चल रहा है।

इन जिलों से गुजरेगा पूर्वांचल एक्सप्रेसवे

1-लखनऊ
2-बाराबंकी,
3-अमेठी
4-सुलतानपुर,
5-अंबेडकर नगर
6-आजमगढ़
7-जौनपुर,
8-गाजीपुर,
9-बलिया।

हादसे रोकने के लिए मेरठ वीम टेरर वेरियर एक्सप्रेसवे के दोनों ओर लगाए गए हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर इंटरनेट के जरिए 13 स्थलों से पहुंचा जा सकता है।

402 किमी की सर्विस लेन में 80 प्रतिशत से जयादा काम पूरा हो गया है।

पूर्वांचल के लोगों को नौकरी के लिए कहीं नहीं जाना पड़ेगा

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को लेकर से सबसे बड़ा लाभ औद्योगिक क्षेत्रों पर पड़ेगा। औद्योगिक गतिविधि विकसित किए जाएंगे, जहां पर उद्योग लगेंगे। इससे पूर्वांचल के युवाओं को नौकरी के लिए कहीं जाना नहीं पड़ेगा। उनको अपने ही शहर में नौकरी मिल जाएगी। एक्सप्रेसवे के किनारे दोनों, मऊनाथ भंजन जैसे औद्योगिक क्षेत्रों को बसाई जाए। एक्सप्रेसवे पूरी तरह प्रदेश के अर्थव्यवस्था को तेज बनाने का काम करेगा। एक्सप्रेसवे के निर्माण के बाद यूपी को व्यापार केन्द्र, सीमेंट से औद्योगिकीकरण को बिहार में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे देश की सबसे बड़ी आर्थिकगलियारे के रूप में स्थापित होगा।

योगी सरकार से पहले दो एक्सप्रेसवे थे

यूपी में योगी आदित्यनाथ सरकार के उदय में आने से पहले यूपी में सिर्फ दो सड़क से जुड़ा थे जबकि एक्सप्रेसवे ही मौजूद थे और अब 340 किलोमीटर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। जबकि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे तथा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा बलिया लिंक एक्सप्रेस वे और गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य तेजी से शुरू होगा। इस तरह से इतने एक्सप्रेस वे के उत्तर में निर्माण की घोषणा से यादवी होने से तेजी से पूरी एक्सप्रेसवे प्रदेश के नए में तब्दील जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गतिविधि बनने भी है।

लोग बोले

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से औद्योगिक विकास को नई रफ्तार मिलेगी। मेरा सपना है आजमगढ़ से आजमगढ़ी के आम जन तक पहुंचे।
अखिलेश यादव में अपने के दिए अधिकारों जिले में निर्माण तेज किसानों तक। **अखिलेश यादव**, समाजवादी पार्टी

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से लखनऊ की दूरी सिर्फ 3 घंटे में तय होगी। इससे पूरब की तरफ के जिलों के लोगों को बहुत फायदा होगा।
अनीता वर्मा, सरपंच, भीरा, लखनऊ

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लखनऊ को सीधा जुड़ने से यहां के लोगों को बहुत फायदा होगा।
अनीता देवी, सरपंच, भीरा, लखनऊ

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे के लिए सरकार शानदार योजना बनाई है। इससे पूरब जिले सामान्यजी तक पहुंचने की सुविधा अच्छा का। यह लगभग पूरा हो गया है। एक्सप्रेसवे से करीब 40 गांवों से सीधा जुड़ा हुआ है।
-सुरेंद्र, रसूली, गाजी

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जानेवाली मोटरसाइकल कहानी। दूसरी सड़कों से कनेक्टिविटी ठीक नहीं होने से सरकार को नहीं मिल रही थी। यह दूरियों को समाप्त करेगी।
विनोद सिंह, जानेवाली, बलिया

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से लखनऊ को सीधा जुड़ने से यहां के लोगों को बहुत फायदा होगा। इससे पूरब जिले सामान्यजी तक पहुंचने की सुविधा अच्छा का। यह लगभग पूरा हो गया है।
अवध कुमार राय, किसान, बलिया

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे प्रवेश नियन्त्रित

विवरण :
बुंदेलखंड क्षेत्र की प्रगति में विकास के लिए योगी सरकार ने चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर व जालौन जैसी अविकसित क्षेत्र से जोड़ा जाएगा। जिलों के अवशेषित विकास के लिए बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के निर्माण का बीड़ा उठाया है। यह एक्सप्रेसवे पूरित के बुंदेलखंड क्षेत्र को देश की राजधानी दिल्ली से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे एवं यमुना एक्सप्रेसवे के जरिए से जोड़ेगा। यह बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभायेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह ड्रीम प्रोजेक्ट है। एक्सप्रेसवे 04 लेन चौड़ा (छह लेन तक विस्तारणीय) तथा संरचनाएं 06 लेन चौड़ाई की बनायी जा रही हैं। एक्सप्रेसवे के साइड आयर दो की चौड़ाई 10 मी. है, एक्सप्रेसवे के एक ओर 3.75 मी. चौड़ाई की सर्विस रोड बनेगी। यह एक्सप्रेसवे जिन्हें फिलिपाइन के 3300-पास के गांव के विकासित को सुलभ आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर चार फ्यूल स्टेशनों बनाए जाएंगे। करीब 15,000 करोड़ रुपए की लागत से 296.07 किमी लंबा बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के निर्माण का कार्य किसी से हो रहा है। फरवरी 2019 तक से 29 फरवरी 2020 तक बिलकुल से पुलक विलम्बाक्षम जिला था। बिलकुल से शुरू होने वाला यह एक्सप्रेस वे बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन होते हुए इटावा के पुखरैया गांव के पास लखनऊ -आगरा एक्सप्रेस वे से जुड़ेगा। इस एक्सप्रेसवे के बनने से बुंदेलखंड पहुंचना आसान होगा, यहां खनिज, पर्यटन और उद्योगों के लिए यह जरूरत होगी और बुंदेलखंड का विकास होगा।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की लंबाई 296 किलोमीटर है। ये एक्सप्रेसवे हिमालय से प्रवेश होकर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर इटावा में खत्म होगा। यूपी के सबसे पिछड़े कहे जाने वाले बुंदेलखंड की लखनऊसहित सहित होगा। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे। इसके जरिया-लखनऊ और यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ने के कारण बुंदेलखंड के लोगों के लिए दिल्ली तक सफर सुलभ हो जाएगा।
इस एक्सप्रेसवे को पहले जनवरी 2022 तक पूरा किया जाना था, लेकिन उच्च इसे दिसंबर 2021 में इसको एक लेन शुरू करने की तैयारी है। इस तरह एक साल पहले ही बांदा वासी तैयारी है।

खास बातें

प्रारंभ : यमुना-इलाहाबाद एक्सप्रेस वे मार्ग संख्या-35 भरतपुर के पास जवाहर सिंहपुर।
समाप्त : आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ग्राम पुखरैना के पास जसवंत इटावा।

296.070

किमी. परियोजना की कुल लम्बाई

परियोजना से लाभान्वित जनपद- चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया, इटावा।

परियोजना पर पहले आने वाली मुख्य नदियां- काली, केन, रसिन, उपरहार, बिरमा, यमुना, बेतवा एवं सेंगर।

एक्सप्रेसवे पर प्रस्तावित स्ट्रक्चर्स

एक्सप्रेसवे के निर्माण के दौरान 04 रेलवे ओवर ब्रिज, 14 पीपी सेतु, 06 लेन पमल, 07 रेल पमल, 296 लघु सेतु, 16 पशुई ओवर का निर्माण भी किया जायेगा।